समाचार पत्र

NEWS LETTER

अबुआ खबर
ABUA KHABAR

कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी
दियाँकेल, तोरपा, खूंटी–835227
भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, रांची–झारखण्ड
(An ISO 9001: 2015 Certified)

Vol: 01 | Issue-02 | July to September 2024 | Quarterly e-News Letter

संरक्षक
PATRON
डॉ अभिजीत कर
Dr Abhijit Kar

मुख्य संपादक
Chief Editor
डॉ. दीपक राय
Dr. Deepak Rai
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
Senior Scientist & Head

संपादक मंडल
Editorial Team
डॉ. राजन चौधरी
Dr. Rajan Chaudhari
डॉ. गव्हाणे किशोर पांडुरंग
Dr. Gavhane Kishor Pandurang
डॉ. मीर मुनीब रफीक
Dr. Mir Muneeb Rafiq
श्री ओम प्रकाश
Shri Om Prakash
डॉ. निखिल राज एम
Dr. Nikhil Raj M
डॉ. प्रदीप कुमार
Dr.. Pardeep Kumar
श्री बृजराज शर्मा
Mr. Brijraj Sharma

तकनीकी सहयोग
Technical Support
श्री धर्मेन्द्र सिंह
Mr. Dharmendra Singh
श्री आशुतोष प्रभात
Mr. Ashutosh Prabhat

प्रकाशक
कृषि विज्ञान केंद्र
खूंटी-835227
भाकृअनुप-राकृउप्रसं.
राँची, झारखण्ड

Publisher
KRISHI VIGYAN KENDRA
KHUNTI -835227
ICAR-NISA
Ranchi, Jharkhand
ई-मेल: kvkkhunti@gmail.com
वेबसाइट: https://khunti.kvk4.in

विश्व ज़ूनोसिस दिवस (World Zoonoses Day)

विश्व ज़ूनोसिस दिवस, 6 जुलाई को मनाया जाता है। वर्ष 2025 में यह "वन हेल्थ, यूनाइटेड अगेंस्ट ज़ूनोटिक थ्रेट्स" थीम पर केंद्रित होगा, जो जानवरों और मनुष्यों के बीच फैलने वाली बीमारियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग जानकारी देता है। रेबीज़, कोविड-19 और एवियन इन्फ्लूएंजा जैसी जूनोटिक बीमारियाँ दुनिया भर में हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं। 60% से ज़्यादा मानव रोगजनक जूनोटिक हैं, और 75% उभरते संक्रमण जानवरों से उत्पन्न होते हैं। यह दिन लुई पाश्चर के प्रथम रेबीज़ टीके की याद में मनाया जाता है और मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालता है। इसके प्रबंधन हेतु अच्छी स्वच्छता प्रथाएँ, सुरक्षित भोजन प्रबंधन, जानवरों के काटने और खरोंचों बचाना आदि शामिल है। इसके लिए शिक्षा अभियान और टीकाकरण कार्यक्रम जैसी जन स्वास्थ्य पहल की भी महत्वपूर्ण भूमिका अहम् हैं।

World Zoonoses Day, observed on July 6th, will focus on the theme "One Health, United against Zoonotic Threats" in 2025, emphasizing global collaboration to combat diseases spread between animals and humans. Zoonotic diseases, like rabies, COVID-19, and avian influenza, affect millions worldwide annually. Over 60% of human pathogens are zoonotic, and 75% of emerging infections originate in animals. The day commemorates Louis Pasteur's first rabies vaccine and highlights the interconnectedness of human, animal, and environmental health. Key strategies include good hygiene practices, safe food handling, preventing animal bites and scratches, and understanding the risks associated with different animals. Public health initiatives, such as education campaigns and vaccination programs, also play a crucial role.

के.वी.के. खूँटी द्वारा जुलाई से सितंबर 2024 में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विवरण :
KVK, KHUNTI ORGANIZED DIFFERENT ACTIVITIES FROM JULY TO SEPTEMBER, 2024 :

A. खेत पर परीक्षण (ओएफटी):

यह किसानों के खेत पर उनके कृषि प्रणाली परिप्रेक्ष्य में उनकी सक्रिय भागीदारी और केवीके वैज्ञानिकों की देखरेख में प्रबंधन के तहत किए गए दत्तक शोध का एक तरीका है। इसका उद्देश्य वास्तविक बढ़ती परिस्थितियों में उत्पादन प्रथाओं का मूल्यांकन करना है।

1. सब्जी मटर की उन्नत किस्म का मूल्यांकन।

रबी सीजन के दौरान लगभग 40% क्षेत्र को कवर करती है। हालांकि, किसान मुख्य रूप से पुरानी किस्मों जैसे कि जीएस-5 का उपयोग करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कम उत्पादकता होती है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, मटर की किस्म के साथ ऑन-फार्म परीक्षण आयोजित करना जो उपज विशेषताओं, फली की उपज, अर्थशास्त्र और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूलता के संदर्भ में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन और तुलना करने में मदद कर सकता है। यह OFT खूंटी जिले के बिरहु , घुफू और बंगनलोया गांवों में आयोजित किया गया था। परिणाम से पता चलता है कि स्वर्णा की उपज सौभाग्य में 68% की वृद्धि हुई (जीएस-5)। स्वर्ण में अधिकतम शुद्ध लाभ पाया गया सौभाग्य अर्थात 119100 रु . प्रति हे . -1 उसके बाद जीएस-5 (20160 रु . प्रति हे . -1)

A. On Farm Trial (OFT):

This is an approach of adoptive research conducted on farmer's field within their farming system perspective in their active participation and management under supervision of KVK scientists. The objective is to evaluate production practices under realistic growing conditions.

1. Assessment of improved variety of vegetable pea.

Vegetable Pea is a major vegetable crop in Khunti district, covering around 40% of the area during the Rabi season. However, farmers predominantly use older varietie, like Gs-5, which results in low productivity. To address this issue, conducting on-farm trials with Pea variety which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, pods yield, economics and adaptability to local conditions. This OFT was conducted in villages Birhu, Ghufu and Banganloya of Khunti district. Result shows that yield of Swarna Saubhagya was increased 68% of farmer practices (GS-5). Maximum net return was found in Swarna Saubhagya i.e. 119100 Rs. ha^{-1} followed by GS-5 (20160 Rs. ha^{-1})

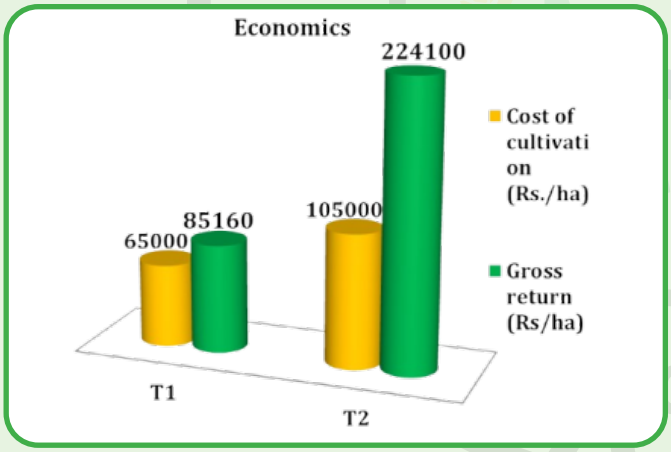

2. मूंगफली में दीमक प्रबंधन के लिए जैव-कीटनाशकों का मूल्यांकन।

खूंटी जिले में मूंगफली एक प्रमुख तिलहन फसल है। हालांकि, यह क्षेत्र दीमक से ग्रस्त है और वे मूंगफली में महत्वपूर्ण उपज हानि का कारण बनते हैं। इसके अलावा, क्षेत्र के अधिकांश किसान गरीब हैं और कम इनपुट वाली वर्षा आधारित खेती करते हैं, जो दीमक के हमले के साथ मिलकर बहुत कम उत्पादन और उत्पादकता का परिणाम है। इसलिए, केवीके ने मूंगफली में दीमक के खिलाफ जैव-कीटनाशकों का मूल्यांकन करने और इसे प्रचलित रासायनिक कीटनाशक उपचार के साथ-साथ चल रहे किसानों के अभ्यास यानी कीटनाशक के उपयोग के खिलाफ

2. Assessment of bio-pesticides for termite management in groundnut.

Groundnut is a major oilseed crop In Khunti district. However, this region is prone to termites and they cause significant yield loss in groundnut. Moreover, majority farmers in the area are poor and practice low input rain fed farming, which when combined with termite attack results in very low production and productivity. Therefore, KVK chose to evaluate bio-pesticides against termites in groundnut and compare it to a prevalent chemical insecticide treatment as well as against ongoing farmers practice i.e. no pesticide use. Bio-pesticides were

तुलना करने का विकल्प चुना। प्रबंधन के लिए जैव-कीटनाशकों को चुना गया क्योंकि वे टिकाऊ कृषि का एक अभिन्न अंग बन सकते हैं और पारिस्थितिक रूप से स्वस्थ हैं। किसानों की किस्म पीजी-37 ए पर तोरपा ब्लॉक के चुर्गी गांव में ओएफटी किया गया था। परिणाम से पता चला कि मूल्यांकन किए गए जैव-कीटनाशक यानी ब्यूवेरिया बासियाना और मेटारिज़ियम एनिसोप्लाइ जहाँ किसानों की खेती से बेहतर है, फिर भी रासायनिक कीटनाशक जितना नियंत्रण नहीं हो पाया। खेती की लागत में कमी का श्रेय प्रति हेक्टेयर आवश्यक इमिडाक्लोप्रिड की कम मात्रा को जाता है।

chosen for management as they can become an integral part in sustainable agriculture and are ecologically sound. The OFT was carried out in village Churgi block Torpa on the farmers variety PG-37A.The result revealed that the bio-pesticides evaluated i.e. Beauveria bassiana and Metarhizium anisopliae where better than the farmers practice yet failed to produce control as great as the chemical insecticide. The reduction in cultivation cost is attributed to the decreased quantity of imidacloprid required per hectare.

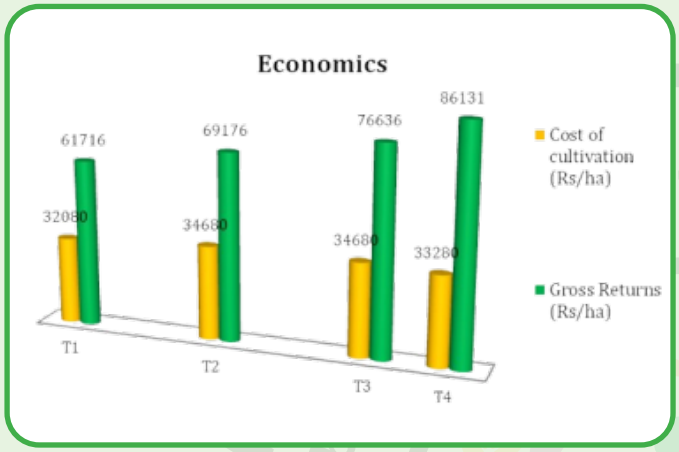

B. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) :

क्रम स.	फसल/ उद्यम	प्रौद्योगिकी प्रदर्शन	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	प्रदर्शन की संख्या
1	मूंगफली	के-1812, जीजेजी-32	45	120
2	नाइजर	जेएनएस-29	50	125
3	गेंदे का फूल	क्रिकेट बॉल	0.5	5
4	बारहमासी चारा घास	हाइब्रिड नेपियर	0.5	14
5	बकरी का कृमि मुक्ति उपचार	एइवरमेक्टिन	35 बकरियां	9

B. Front Line Demonstrations (FLD):

S.N.	Crop/ Enterprises	Technology Demonstration	Area (ha.)	No. of Demo
1.	Groundnut	K-1812, GJG-32	45	120
2.	Niger	JNS-29	50	125
3.	Marigold	Cricket boll	0.5	5
4.	Perennial Fodder Grass	Hybrid Napier	0.5	14
5.	Deworming of goat	Ivermectin	35 Goats	9

C. प्रशिक्षण कार्यक्रम : यह गतिविधि किसानों के ज्ञान को उन्नत करने और क्षेत्र की समस्याओं को कम करने के लिए आयोजित की गई थी। केवीके, खूंटी ने जुलाई से सितंबर 2024 तक 18 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

C. Training Programs : This activity was organized to upgrade the knowledge and mitigate the field problems of farmers. KVK, Khunti organized 18 training programs from July to September 2024 where 450 participants were participated.

D. अन्य प्रसार गतिविधियाँ : जन जागरूकता के लिए केवीके, खूंटी द्वारा विभिन्न प्रकार की विस्तार गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिसके अंतर्गत 98 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 9726 (पुरुष-4326 और महिला -5400) कृषकों और विस्तार कर्मियों ने भाग लिया। विवरण इस प्रकार है:

D. Other Extension Activities : For mass awareness different types of extension activates had conducted by KVK, Khunti. Under which 98 programs were organized where 9726 (male-4326 & female 5400) farmers and extension personnel participated Details are as follows

कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम में उपमहानिदेशक कृषि अभियांत्रिकी का स्वागत

माननीय सांसद खूँटी श्री कालीचरण मुंडा जी द्वारा कृषि यंत्रों का वितरण

कृषक गोष्ठी में प्रतिभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री अर्जुन मुंडा जी द्वारा केवीके प्रशासनिक भवन का उद्घाटन

E. महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन :

"एक पेड़ माँ के नाम" के तहत वृक्षारोपण जागरूकता अभियान : केवीके, खूंटी ने 5 जून से 30 अगस्त, 2024 तक यह जागरूकता अभियान आयोजित किया। खूंटी जिले के विभिन्न गांव. जहां, प्रतिभागियों को पर्यावरण की बेहतरी के लिए अधिक पेड़ों की आवश्यकता के बारे में शिक्षित किया गया। कई पेड़ पौधे वितरित किए गए और कई केवीके कर्मियों द्वारा लगाए गए। जिस तरह एक माँ पालन-पोषण करती है, देखभाल करती है और जीवन देती है, उसी तरह एक पेड़ बढ़ता है, आश्रय प्रदान करता है, और ऑक्सीजन, फल और छाया के माध्यम से जीवन को बनाए रखता है।

E. Important Days Celebration :

Tree Plantation awareness campaigns under "Ek Ped Maa Ke Name": KVK, Khunti organized this awareness campaigns from June 5th to August 30, 2024 at different villages of Khunti district. Where, the participants were educated on the need of more trees for betterment of environment. Multiple tree seedlings were distributed and many were planted by the KVK personnel's. Just as a mother nurtures, cares for, and gives life, a tree grows, provides shelter, and sustains life through oxygen, fruits, and shade.

बृहद वृक्षारोपण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

F. पादप स्वच्छता (एसपीएस), अच्छी कृषि पद्धतियाँ और खाद्य सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम : केवीके, खूंटी और एनआईपीएचएम, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से 09 अगस्त 2024 को केवीके परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसानों को निर्यातोन्मुखी खेती और खाद्य सुरक्षा के लिए अच्छी कृषि पद्धतियों, स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों के बारे में जागरूक किया गया। यह प्रतिभागियों को खेती में प्रगति के बारे में अधिक जागरूक करेगा और उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य देगा और उन्हें निर्यातोन्मुखी खेती के लिए आकर्षित करेगा। क्षेत्रीय प्रमुख एपीडा (कोलकाता); एनआईपीएचएम, हैदराबाद के वैज्ञानिक अधिकारी और सहायक वैज्ञानिक अधिकारी; सहायक निदेशक, सीआईपीएमसी; केवीके प्रमुख; केवीके के अन्य एसएमएस और चयनित किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

F. Awareness program on sanitary and Phytosanitary (SPS), good agricultural practices and food safety : KVK, Khunti and NIPHM, Hyderabad jointly organized an awareness program on 09 August 2024 at KVK premises. In this program farmers aware about good agricultural practices, sanitary and phytosanitary measures for export oriented farming and food safety. This will make the participants more aware of the advances in farming and give them an international perspective and attract them to export oriented farming. The regional head APEDA (Kolkata); scientific officer and assistant scientific officer of NIPHM, Hyderabad; assistant director, CIPMC; head KVK; other SMS of KVK and selected farmers participated in this program.

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

G. गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम: केवीके ने 16 से 22 अगस्त, 2024 तक खूंटी जिले के विभिन्न गांवों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को इस हानिकारक खरपतवार के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। फिर सभी प्रतिभागियों और आयोजकों ने मिलकर इस खरपतवार को अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र से हटाया।

G. Parthenium Awarness Week Program: KVK organized such program at different villages of Khunti district from 16-22 August, 2024. Under this program farmers were made aware of the harmful effects of this noxious weed. Then all participants and organizers altogether removed this weed from a heavily affected area.

गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन

H. पशु स्वास्थ्य सह टीकाकरण शिविर : केवीके, खूंटी ने 9 सितंबर, 2024 को केवीके में पशु स्वास्थ्य सह टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। 200 पशुओं (60 मवेशी और 140 बकरियां) की जांच की गई और उनका निःशुल्क उपचार किया गया। यह आयोजन समुदाय के कृषि और पशुधन स्वास्थ्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसके अलावा, किसान गोष्ठी ने किसानों और विशेषज्ञों को एक साथ लाकर पशुपालन, फसल प्रबंधन और समग्र कृषि उत्पादकता के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक संवादात्मक चर्चा को बढ़ावा दिया।

H. Animal Health cum Vaccination Camp: KVK, Khunti organized an Animal Health cum Vaccination Camp at KVK on September 9, 2024. 200 animals (60 cattel and 140 goats) were examined and treated free of cost. The event was a significant step towards strengthening the community's agricultural and livestock health. In addition, the Kissan Gosthi brought together farmers and experts, fostering an interactive discussion on best practices for animal husbandry, crop management, and overall farm productivity.

पशु स्वास्थ सह टीकाकरण का आयोजन

I. स्वच्छता अभियान कार्यक्रम : केवीके, खूंटी द्वारा आयोजित "स्वच्छता अभियान" कार्यक्रम का आयोजन इस अवधि के दौरान किया गया था 17 सितंबर से 1 दिसंबर 2024 तक। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम के नारे " स्वभाव" का हिस्सा था स्वच्छता संस्कार स्वच्छता " कार्यक्रम में परिसर में और परिसर के बाहर कई जागरूकता अभियान शामिल थे । इसका प्राथमिक उद्देश्य स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करके भारत को स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ बनाना है। यह पहल कचरे को अलग-अलग करने, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने और उचित निपटान को बढ़ावा देती है। इससे पर्यावरण की रक्षा करने, प्रदूषण कम करने और टिकाऊ जीवन जीने की प्रथाओं को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

I. Swachhata Abhiyan Program : KVK, Khunti organized "Swachhata Abhiyan "program was organized during the period of September 17th to December 1, 2024. This was part of national program slogan "Swabhav Swacchhta Sanskar Swacchhata". The program included multiple on-campus and off-campus awareness campaigns. Its primary objective is to make India cleaner, healthier, and more sustainable by focusing on sanitation, waste management, and hygiene. The initiative promotes waste segregation, reduction of single-use plastic, and proper disposal. This helps protect the environment, reduces pollution, and encourages sustainable living practices.

स्वछता शपथ एवं स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन

J. राष्ट्रीय पोषण माह : केवीके, खूंटी द्वारा 1 सितंबर से 30 सितंबर, 2024 तक खूंटी जिले के विभिन्न गांवों में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम चलाकर कृषक महिलाओं को उनके पोषण के महत्व तथा परिवार और समाज की भलाई के लिए इसके सकारात्मक संबंध के बारे में जागरूक किया गया।

J. Rashtriya Poshan Maah : KVK, Khunti organized this program from 1 September to 30 September, 2024 in different villages of Khunti district. Awareness programs were carried out to aware farm women the importance of their nutrition and how its positively correlated to the well-being of family and the society itself.

राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन

K. प्रकाशन:

पुस्तकें:

- नौटियाल, पंकज; राय, दीपक; पपने, गौरव और सिंह, योगेन्द्र कुमार. (संपादक) (2024). सेब की वैज्ञानिक खेती. केवीके, आईसीएआर-सीएसएसआरआई, हरदोई II, यूपी, पेज. 1-166. (आईएसबीएन: 978-93-340-7924-1)
- नौटियाल, पंकज; राय, दीपक; सिंह, वाई पी; पपनै, गौरव एवं राघव, डी के (2024). स्मार्ट एग्रीकल्चर : नेक्स्ट जनरेशन टेक्नोलॉजीज फार ए सस्टेनेबल फ्यूचर. इंटीग्रेटेड पब्लिकेशन, नई दिल्ली. पेज 1-326 (आईएसबीएन: 978-93-58-3407-16)

लोकप्रिय लेख:

- **राय, दीपक** और नौटियाल, पंकज (2024).भारतीय कृषि में ड्रोन: अवसर और चुनौतियाँ। *पहाड़ी कृषि ई-मैगज़ीन,* 2 (5), 7-11.
- नौटियाल, पंकज; सिंह, आरके; **राय, दीपक** और पपनाई, गौरव **(2024)**. एकल प्लास्टिक से उपयोग कैसे करें उपयोग : कृषि पुरुष नवाचार मैं और स्वच्छ भारत अभियान पुरुष योगदान। *प्रसार दूत.* जुलाई-सितंबर46-48.

K. Publication:

Books:

- Nautiyal, Pankaj; Rai, Deepak; Papnai, Gaurav and Singh, Yogendra Kumar. (eds) (2024). Seb Ki Vaigyanik Kheti. KVK, ICAR-CSSRI, Hardoi II, UP. pp. 1-152. (ISBN: 978-93-340-7924-1)
- Nautiyal, Pankaj; Rai, Deepak; Singh, YP; Papnai, Gaurav and Raghav, DK (2024). Smart Agriculture: Next Generation Technologies for a Sustainable Future. Integrated Publications, New Delhi. Pages 1-326 (ISBN: 978-93-58-3407-16)

Popular Article :

- Rai, Deepak and Nautiyal, Pankaj (2024). Drone in Indian Agriculture: Oppertunities and Challenges. *The Pahadi Agriculture e-Magzine,*2(5),7-11.
- Nautiyal, Pankaj; Singh, R.K.; Rai, Deepak and Papnai, Gaurav (2024). *Ekal Upyog Plastic Se Punah Upayog: Krishi Men Navachar Aur Swaksh Bharat Abhiyan Men Yogdan. Prasar Doot.*July-Sept.46-48.

कार्यशाला/सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी में प्रतिभाग :

- डॉ. दीपक राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख, केवीके, खूंटी ने 29-31 अगस्त, 2024 तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार में आयोजित बिहार और झारखंड केवीके की वार्षिक क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया है।

L. Workshop/Conference/Seminar/Symposium attended:

- Dr. Deepak Rai, Senior Scientist cum Head, KVK, Khunti has participated in annual zonal review workshop of Bihar and Jharkhand KVKs held at Bihar Agricultural University, Sabour, Bihar from 29-31 august, 2024.

सफलता की कहानी - किसान की जुबानी

Name
Mr Emainual Topno

Address:
Torpa, Dist. - Khunti Jharkhand

श्री इमैनुअल टोपनो, तोरपा, जिला - खूंटी, झारखंड ने पिछले साल 4 एकड़ मूंगफली और 5 एकड़ चावल की खेती की। बारिश के पूर्वानुमान के अनुसार सक्रिय कृषि कार्यों के कारण, उनकी उर्वरक, कीटनाशक और सिंचाई लागत क्रमशः मूंगफली में 3000 @ 2 बार = 6,000 रुपये और मूंगफली में 4000 @ 3 बार = 12,000 रुपये कम हो गई। इसके अलावा, बारिश के पूर्वानुमान के कारण, कटाई के बाद सुरक्षित भंडारण से 12 क्विंटल चावल की फसल बच गई।

Mr Emainual Topno, Torpa, Dist. - Khunti Jharkhand, cultivated 4 acres of Groundnut + 5 acres of Rice last year. His input cost in fertilizer, pesticide, and irrigation was minimized 3000 @ 2times = Rs. 6,000/- in groundnut, and 4000@ 3 times= Rs.12000/- in groundnut, respectively due to proactive farm action as per the forecast of rain. Also, 12q rice is saved after harvesting by safe storage due to the forecast of rain..

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch